Title: Need to pass the Womens` Reservation Bill.

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी और माननीय सुामा स्वराज जी से आग्रह करना चाहती हूं कि महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए संसद में लाया जाए।

माननीय अध्यक्ष जी, देश में महिलाओं की आबादी 50 प्रतिशत है।

फिर भी इस बिल को पारित कराने के लिए सदन में नहीं लाया जा रहा है, महिलाओं के प्रति यह अत्याचार और अन्याय है।

अध्यक्ष महोदय, महान समाजवादी नेता और चिंतक डा. राममनोहर लौहिया जी ने कहा था कि महिलाएं अल्पसंख्यक और हरिजन की तरह ही आर्थिक रूप से कमजोर हैं और वे अभी काफी पिछड़ी हुई हैं। महिलाओं की कोई जाति नहीं होती, जिस पुरुा से उसकी शादी कर दी जाती है, वह उसी की बन जाती है। महोदय, हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं कि हम 21वीं सदी में जा रहे हैं और आज भी महिलाओं की स्थिति वही है। कविवर गुप्त जी ने कहा है - "अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी।"

अध्यक्ष महोदय, कृपा कर इस बिल को लाया जाए और पारित कराया जाए तथा महिलाओं को इस कविता से मुक्त कराया जाए। 21वीं सदी में उसके ऊपर हो रहे अत्याचार को खत्म किया जाए।

13.16 hrs.